

POINTS TO CHURN: विचार सागर मंथन: JANUARY 15, 2014 (H&E)

Om Shanti Divine Angels!!!

Points to Churn: January 15, 2014

Praise of the Father: The Point...the Supreme Soul...the Highest-on-high Father...the Almighty Authority Father...the Tower of Knowledge...the Main Creator, Director and Actor...the Liberator and Guide...is the Bestower of Salvation for all...

Points of Self Respect: We, the pure souls...the teachers...the guides...the Pandava Army...the embodiments of success...the easy yogis...the lucky stars...become the conquerors of the world...attain the highest-on-high status...and become the masters of the new world...

Knowledge: You have now received the third eye of knowledge and you are therefore called trinetri. When you are alone, you cannot be called an army. It is when you gain victory over Maya while in a body that you are called an army.

There is the tower of peace, the tower of happiness; there is a tower for everything. The incorporeal world is the tower of peace where we souls reside. That is called the tower of silence. Then, in the golden age, there is the tower of happiness, the tower of peace and prosperity. You will have the towers of health, wealth and happiness and so you should have so much intoxication. The Father is giving us an unlimited inheritance.

Something wonderful is called nature. Not a single person can be liberated from his part in this eternal drama. Each one of you has to play your part. These are very wonderful matters. When you understand them clearly and imbibe them, your mercury of happiness rises.

Yoga: May you be bodiless! The Father says Manmanabhav! Consider yourself to be a soul. The Father says: Manmanabhav! Consider yourself to be a soul! The Father is the Almighty Authority. By remembering Him, your sins are cut away and the battery becomes full. You now feel that your batteries are being charged. Remember the Father and the inheritance.

With an atmosphere of an attitude of unlimited disinterest become co-operative and easy yogis.

Father now says: Children, your stage should be such that you don't remember anything at the end; you consider yourselves to be souls. This is called the karmateet stage.

Dharna: Churn the things that the Father tells you. By churning the ocean of knowledge, your head becomes refreshed. In order to receive a scholarship, make great effort. You now have to go to the towers of peace and happiness and you therefore have to continue to transform and reform your old nature and character. You have to become Narayan from ordinary human beings.

The Father says: By conquering the vice of lust, you will become conquerors of the world. By sitting on the pyre of lust, you have become ugly; you now have to become beautiful. After making a promise to the Father, never be struck by lust.

Service: Those who are always refreshed are also able to serve others. Make others equal to yourselves. Become a teacher and teach others Raja Yoga. Become a guide and do the service of showing everyone the path home. Make others into embodiments of sparkling light and sparkling stars of imperishable fortune.

ॐ शान्ति दिव्य फरिश्ते !!!

विचार सागर मंथन: January 15, 2014

बाबा की महिमा : बिन्दी... परमात्मा... ऊँचे ते ऊँचा बाप... सर्वशक्तिमान् बाप... टावर ऑफ़ नॉलेज... मुख्य क्रियेटर, डायरेक्टर, एक्टर... लिब्रेटर गाइड ...सर्व का सद्गति दाता है...

स्वमान : हम पवित्र आत्मायें... टीचर... गाइड... पण्डे... पाण्डव सेना... सिद्धि स्वरूप... सहज योगी ...लक्की सितारे... जगतजीत बन ... ऊँचे से ऊँचा पद पानेवाले... नई दुनिया के मालिक...हैं...

ज्ञान : तुमको अब ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है, इसलिए तुमको त्रिनेत्री कहा जाता है | अकेले हो तो सेना नहीं कहेंगे | शरीर के साथ जब माया पर जीत पाते हो तब तुमको सेना कहते हैं |

टावर ऑफ़ पीस, सुख का टावर, सबका टावर होता है, शान्ति का टावर है मूलवतन, जहाँ हम आत्मायें रहती हैं | उसको कहेंगे टावर ऑफ़ साइलेन्स | फिर सतयुग में है टावर ऑफ़ सुख, टावर ऑफ़ पीस, प्रासपर्टी |टावर ऑफ़ हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस....तो कितना नशा होना चाहिए | बाप हमको बेहद का वर्सा देते हैं | कोई बहुत वन्दरफुल बात होती है तो उनको कुदरत कहा जाता है | इस अनादि ड्रामा के पार्ट से एक भी छूट नहीं सकता | सबको पार्ट बजाना ही है | यह बड़ी वन्दरफुल बातें हैं, जो अच्छी रीति समझकर धारण करते हैं तो खुशी का पारा चढ़ता है |

योग : अशरीरी भव । बाप कहते हैं मनमनाभव । अपने को आत्मा समझो । बाप है सर्वशक्तिमान्, उनको याद करने से तुम्हारे पाप कट जायेंगे और फिर बैटरी भर जायेगी । तुम अभी फील कर रहे हो, हमारी बैटरी भर रही है । बाप और वर्से को याद करना है ।

बेहद की वैराग्य वृत्ति का वायुमण्डल से सहज योगी बनना है ।

अब बाप कहते हैं बच्चे तुम्हारी अवस्था ऐसी हो जो पिछाड़ी में कुछ भी याद न आये । अपने को आत्मा समझें, इसको कहा जाता है कर्मातीत अवस्था ।

धारणा : बाप जो सुनाते हैं उसका मंथन करो, विचार सागर मंथन करने से दिमाग सदा रिफ्रेश हो जाता है । स्कॉलरशिप लेने के लिए अच्छी तरह से पुरुषार्थ करो । शान्ति और सुख के टावर में चलना है इसलिए अपने स्वभाव और कैरेक्टर को सुधारते जाओ, पुराने को परिवर्तन करो । नर से नारायण जरूर बनना है ।

बाप कहते हैं काम विकार पर जीत पाने से तुम जगतजीत बनेंगे । तुम काम चिता पर बैठ सांवरे बन गये हो, अब तुमको गौरा बनाना है । बाप से प्रतिज्ञा करने के बाद कभी काम की चोट नहीं खानी है ।

सेवा : जो सदा रिफ्रेश रहते हैं वह दूसरों की भी सर्विस कर सकते हैं । आप समान बनाना है । टीचर बन औरों को राजयोग सिखाओ । गाइड बन सबको घर का रास्ता दिखने की सेवा करो । औरों को चमकती हुई ज्योतिस्वरूप और अविनाशी भाग्य का चमकता हुआ सितारा बनाने हैं ।

Song: Nayan heen ko raah dikhaao prabhu नयनहीन को राह

दिखाओ.... Show the path to the blind, dear God!

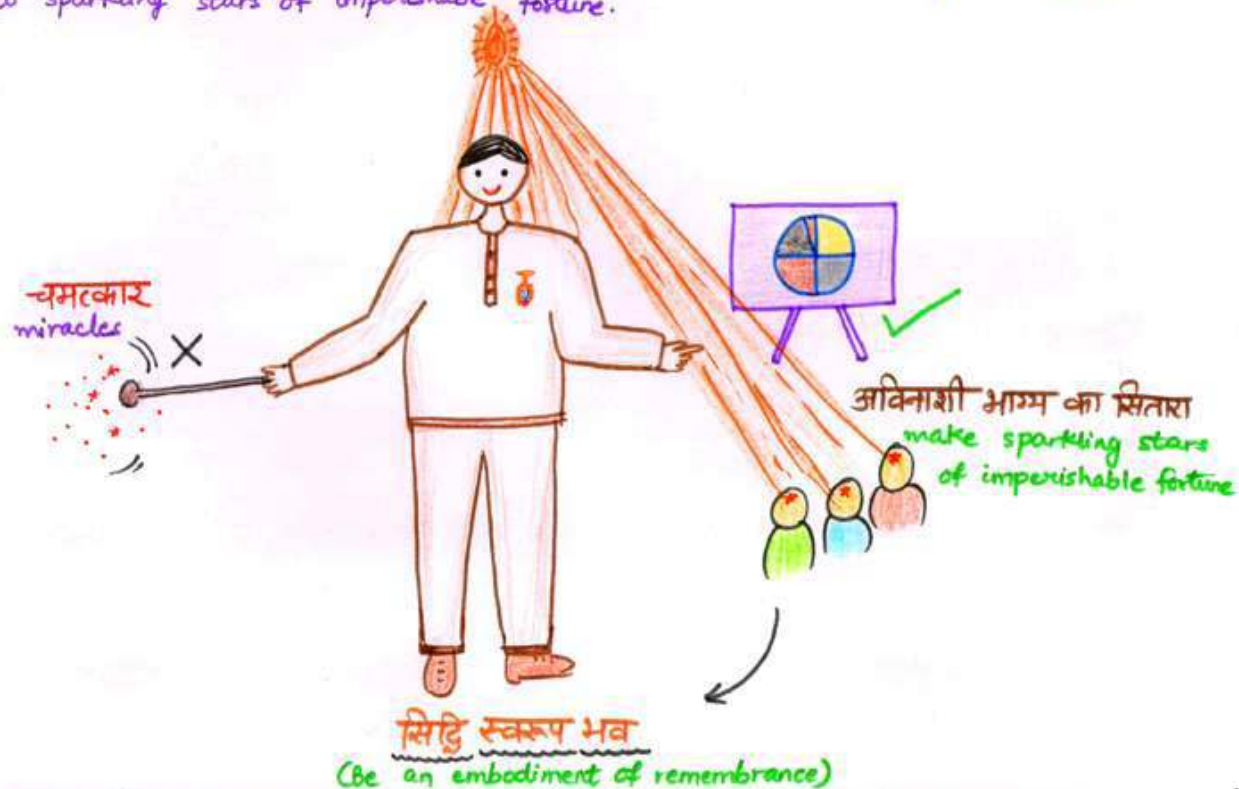
<http://www.youtube.com/watch?v=KmtuplzkwHk&feature=email>

January 15, 2014

आज का वरदान (TODAY'S BLESSING)

चमत्कार दिखाने के बजाय अविनाशी भाग्य का चमकता हुआ सितारा बनने वाले सिद्धि स्वरूप भव।

May you be an embodiment of remembrance and, instead of showing miracles, make others into sparkling stars of imperishable fortune.



15-01-2014:

Essence: Sweet children, you now have to go to the towers of peace and happiness and you therefore have to continue to transform and reform your old nature and character.

Question: What is the method for your head to be constantly refreshed?

Answer: Churn the things that the Father tells you. By churning the ocean of knowledge, your head becomes refreshed. Those who are always refreshed are also able to serve others. Their batteries remain constantly charged because, by churning knowledge, their connection with the Almighty Authority Father remains.

Song: Show the path to the blind dear God!

Essence for Dharna:

1. In order to receive a scholarship, make great effort. Become a teacher and teach others Raja Yoga. Become a guide and do the service of showing everyone the path home.
2. Charge your battery with remembrance of the Almighty Authority Father. After making a promise to the Father, never be struck by lust.

Blessing: May you be an embodiment of remembrance and, instead of showing miracles, make others into sparkling stars of imperishable fortune.

Because those who come from up above nowadays have come last, because of their satopradhan stage and as a result of their purity, they have temporary success and show limited miracles. However, that success does not remain all the time because they pass through all three stages of sato, rajo and tamo in a short period. You pure souls are constant embodiments of success and so, instead of showing miracles, you make others into embodiments of sparkling light. You make them into sparkling stars of imperishable fortune. Therefore, everyone will come to you to take a drop of everything.

Slogan: Let there be an atmosphere of an attitude of unlimited disinterest and you will become a co-operative and easy yogi.

15-01-2014:

सार:- “मीठे बच्चे – अभी तुम्हें शान्ति और सुख के टावर में चलना है इसलिए अपने स्वभाव और कैरेक्टर को सुधारते जाओ, पुराने को परिवर्तन करो” ।

प्रश्न:- दिमाग सदा रिफ्रेश रहे उसकी युक्ति क्या है?

उत्तर:- बाप जो सुनाते हैं उसका मंथन करो, विचार सागर मंथन करने से दिमाग सदा रिफ्रेश हो जाता है । जो सदा रिफ्रेश रहते हैं वह दूसरों की भी सर्विस कर सकते हैं । उनकी बैटरी सदा चार्ज होती रहती है क्योंकि विचार सागर मंथन करने से सर्वशक्तिमान् बाप के साथ कनेक्शन जुटा रहता है ।

गीत:- नयनहीन को राह दिखाओ....

धारणा के लिए मुख्य सार:-

1. स्कॉलरशिप लेने के लिए अच्छी तरह से पुरुषार्थ करो । टीचर बन औरों को राजयोग सिखाओ । गाइड बन सबको घर का रास्ता दिखने की सेवा करो ।
2. सर्वशक्तिमान् बाप की याद से अपनी बैटरी चार्ज करनी है । बाप से प्रतिज्ञा करने के बाद कभी काम की चोट नहीं खानी है ।

वरदान:- चमत्कार दिखने के बजाए अविनाशी भाग्य का चमकता हुआ सितारा बनाने वाले सिद्धि स्वरूप भव

आजकल जो अल्पकाल की सिद्धि वाले हैं वह लास्ट में ऊपर से आने के कारण सतोप्रधान स्टेज के प्रमाण पवित्रता के फ़लस्वरूप अल्पकाल के चमत्कार दिखाते हैं लेकिन वह सिद्धी सदाकाल नहीं रहती क्योंकि थोड़े समय में ही सतो रजो तमो तीनों स्टेजेस से पास करते हैं । आप पवित्र आत्मायें सदा सिद्धि स्वरूप हैं, चमत्कार दिखने के बजाए चमकती हुई ज्योतिस्वरूप बनाने वाले हैं । अविनाशी भाग्य का चमकता हुआ सितारा बनाने वाले हैं, इसलिए सब आपके पास ही अंचली लेने आयेंगे ।

स्लोगन:- बेहद की वैराग्य वृत्ति का वायुमण्डल हो तो सहयोगी सहज योगी बन जायेंगे।